GIRLS' HIGH SCHOOL & COLLEGE, PRAYAGRAJ

WORKSHEET No - 02

SESSION - 2020 - 2021

CLASS - X, A, B, C, D, E, F

निर्देश :- अभिभावकों से मे अपेक्षा की जाती है कि वे मे सुनिश्चित करें कि छात्रा दो दिनों तक सम्बन्धित विषयवस्तु एवं पाठ का अध्ययन करे, तत्पश्चात दिए गए प्रश्नों का निर्देशानुसार उत्तर दे।

नोट :- पाठ्यपुस्तक = व्याकरण - सरस्वती व्याकरण सुमन (कक्षा IX - X के लिए)

साहित्य - ICSE साहित्य सागर

व्याकरण

1- अधोलिखित विषय पर लगभग २५० शब्दों में हिन्दी में संक्षिप्त लेख लिखिए :-
उस घटना का वर्णन कीजिए, जिससे आपने अपने जीवन का अमूल्य सबक सीखा कि - "जीवन की श्रेष्ठ वस्तुएँ खरीदी नहीं जा सकती हैं।"

2- निम्नलिखित विषय पर लगभग 120 शब्दों में हिन्दी में पत्र लिखिए :-
अपनी सहेली या मित्र को पत्र लिखकर यह बताइए कि आप अपने लिए कौन-सा व्यवसाय चुनना चाहते हैं? उसमें सफलता पाने के लिए क्या-क्या करेंगे?

3- शब्द भण्डार (अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, लिंग, वचन, मुहावरे)

(i) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित किए गए शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए :-
(क) ईश्वर! तुम तो सब कुछ जानने वाले हो।
(ख) दीपक पर विश्वास किया जा सकता है।
(ग) जो केवल अपने बल पर काम करता है, वह कभी दुःखी नहीं होता।
(घ) हमारी पृथ्वी के चारों ओर फैली हवा प्रदूषित हो गई है।
(ङ) स्वार्थ चाहने वाले लोगों से मैं सम्पर्क नहीं रखता।

(ii) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य-प्रयोग कीजिए :-
आँच न आने देना, तिल का ताड़ बनाना, नानी याद आना, आँखें दिखाना, नाक रख लेना।

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के लिंग परिवर्तन कीजिए :-
(क) गायक की सास का जन्मदिन है।
(ख) आश्रम की तपस्विनी बहुत बड़ी कवयित्री भी है।
(ग) साधु ने बालक को आशीर्वाद दिया।
(घ) मेरी ननद ने अपनी नौकरानी को काम से निकाल दिया।

Scanned with CamScanner

(ङ) ठकुराइन के नखरे देखने लायक थे।

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित किए गए शब्दों के वचन बदलिए:-

(क) क्यारी में लगी कली खिल गई।

(ख) चींटी पंक्ति में चलती है।

(ग) कबूतर के लिए दाना डाल दो।

(घ) पिताजी ने दवाई खरीदी।

(ङ) सड़क पर महिलाएँ जा रही थीं।

साहित्य

पाठ:- महायज्ञ का पुरस्कार लेखक - यशपाल जैन

4: अधोलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

"यज्ञ कमाने की इच्छा से धन दौलत लुटाकर किया गया यज्ञ, सच्चा यज्ञ नहीं है, निःस्वार्थ भाव से किया गया कर्म ही सच्चा यज्ञ-महायज्ञ है। क्या आप इसे बेचने के लिए तैयार हैं।"

(i) धन्ना सेठ की पत्नी के मुख से अपने महायज्ञ बेचने की बात सुनकर सेठ क्या सोचने लगे?

(ii) सेठ ने धन्ना सेठ की पत्नी से खिन्न होकर क्या कहा?

(iii) सेठ के खिन्न होने पर धन्ना सेठ की पत्नी ने उन्हें क्या समझाया?

(iv) सेठानी के समझाने पर सेठ ने क्या सोचा तथा क्या किया?

— X —

Scanned with CamScanner